॥ॐ॥ श्रीविघ्नविनाशकाय नमः॥ प्रणम्य श्रीजिनाधीशं सद्गुरुं च विशेषतः श्राद्धविधेरहं कृत्वा
नि सिद्धये तेषां कथाशयं १ तिहां प्रथम प्रज्ञप्त सामायिक विधि लिखे श्रावक दोय घडीरा
त्रि रहे तो श्राद्धघरे जाये अथ गुरुकने अथ घरने एक प्रदेशे जावी प्रथम दिवस संथारे प
डिलेहा वस्त्र पडिलीगुरुरो ओघा नक्कवैतो आप प्रमार्जित जोन के खमासमण पूर्वक ती
न नवकार गुणी आपना जीमेले पछे खमासमण देई कहे इच्छाकारेण संदिस्सह भगव
न् सामायिक मुहपोत्ती पडिलेहुं गुरुकहे पडिलेहे पछे इच्छं कही दूजो खमासमण दे
ई मुहपोत्ती पडिलेहे उभो होय खमा० कहे इच्छाका। संदि। भग। सामायिक संदिस्सा वं गुरु
कहे संदिस्सावेह पछे इच्छं कही बले खा देनेकहे इच्छाका। संदि। भग। सामा। ठाउं गुरुकहे
ठाएह पछे इच्छं कही खमासमण देई अर्हद्वनतकायकृत्तोत्थको तीन नवकार गुणी
कहे इच्छकार भगवन् पसाय करी सामायिक दंडउच्चरावो गुरुकहे उच्चरावेमो पछे।
करेमि भंते सामाइयं इत्यादि सामायक सूत्र गुरु वचन अनुज्ञाए करतोथको तीन
वार कुचरी खमासमण देई इच्छाका। संदि। इरियावहियं पडिक्कमामि गुरुकहे पडि
क्कमह पछे इच्छं कही इच्छामि पडिक्कमिउं इरियाए इत्यादि पाठ कहे इरियावही पडिक्क।

मी १ लोगस्सनोकाउस्सग्गकरी नमोअरिहंताणंकही काउस्सग्गपारी मुखेंप्रगट लोगस्स।
कही खमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोनि। वेयणेश्रंदिस्साहे गुरुकहेश्रंदिस्साहेह पडेइ
च्छंकही वलेखमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोनि। वेयणेवाउंगुरुकहेवाएह पडेइच्छं
कहीवलेखमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोनि। सिझायकरुं गुरुकहेकरेह पडेइच्छ।
कहीवलेखमाश्रमणदेई ऊभोथकोश्रावनवकारसिझायकरे तथाशीतकालादिक
वेतोखमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोनि। पागरणेपडिग्गाहेगुरु० पडिग्गाएहपडे इच्छक
हीवस्त्रग्रहणकरे तथाश्रमाद्यिकवेतश्रथवापोसहीताश्रावकप्रतेकोईश्रमाद्यि
कवेत श्रथवापोसहीनोश्रावकवांदेतोवंदणोएहवंकहे जोकोईबीजोवांदेतोसि
झायंकरेहएहवोकहे इतिप्रभातश्रमाद्यिकग्रहणविधि॥ २ हिवेरखमाश्रमणदे
ई इच्छाकाश्रोनि। चैत्यवंदनकरुंगुरुकहेकरेह पडेइच्छंकहीजथोश्रोमी इत्या
दिजयवीयरायश्रधीचैत्यवंदनकरे पछेरखमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोनि।कुसु
मिणदुस्समिणराईश्रायश्चित्तविशोहणछेकाउस्सग्गकरुं गुरुकहेकरेह पडेइच्छं
क कुसुमिणदुस्समिणराईश्रायश्चित्तविशोहणछंकरेमिकाउस्सग्गं श्रन्नत्थूससि

एणं इत्यादिकही ४ लोगस्सनोकाउस्सग्ग चंदेसुनिम्मलयरासुधी चिंतवी नमोश्ररिहं।
ताणंकही काउस्सग्गपारीमुखेंलोगस्सजोरत्रेमोटकोगुणसंबंधीदृष्टएलागेकुवेतोक
उस्सग्गमोहेआगरवरगंभीरासुधी चिंतवीये इतिसंप्रदायः। किहांइकपडिलेकुसुमिए
दुस्समिएकाउस्सग्गकरीपडेचैत्यवंदनकरवोकस्तोत्रे विशेषरमार्थएकहीजडे पडे
पडिकमणवेलाश्रीमयिझायधंनकरे हिवेपडिकमणाश्रवनोश्रवयरकवांरख
माश्रमणदेई श्रीश्राचार्यमिश्रकहीवांदीये बीजोखमाश्रमणदेई श्रीउपाध्यायमिश्र।
वांदीये ३ खमाश्रमणेवर्त्तमानगुरुश्रीयुगप्रधानकहीवांदीये ४ खमाश्रमणेसर्व
साधुकहीवांदीयेइमश्रारखमाश्रमणेपडिकमणेठावी इच्छकारसमस्तश्रावको
वांदुंकही गोडालीयेवेश्रीमस्तकनमावी दोयहाथेमुहपोत्तीमुहनेदेई इच्छाकारेण
संदिसहइच्छेइश्रोनकहेपछेमुक्तश्रवकहीऊभोथई करेमिभंतेश्रमाईसंमाबजे
"जोमेपक्षरकामिइत्यादिकहीइच्छामिखमाइउंकाउस्सग्गंजोमेराईउंइत्यादिपाबजली तस्सु
नरीश्रन्नत्थूससिएणं कही चारित्रशुद्धिनिमत्ते १ लोगस्सनोकाउस्सग्गकरीपारी दर्शन
शुद्धिनिमत्ते लोगस्सकही सबलोए श्ररिहंतचेईयाणंकरेमिकाउस्सग्गं वंदणवत्ति

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

आए इत्यादि पाठ कहणी २ लोगस्स नो काउस्सग्ग करी पारी ज्ञानाचार शुद्धि निमित्ते एक्कर
वर दीवड्ढे कही सुयस्स भगवओ करेमि काउस्सग्गं वंदण वत्ति आए इत्यादि कही काउस्सग्ग
करे काउस्सग्ग मांहे आजूणो चौथु दुहरी रात्रि मांहे जि के मे जीव विराधा ऊ वे आत ला ष ट्
थ्वी काय आत ला ष अप्प काय आत ला ष तेऊ काय आत ला ष वाउ काय दश ला ष प्रत्ये
क वनस्पती काय चौदे ला ष साधारण वनस्पती काय दोय ला ष बेंद्री दोय ला ष तेंद्री
दोय ला ष चौरिंद्री चार ला ष देवता चार ला ष नारकी चार ला ष पंचेंद्री तिर्यंच चौदे
ला ष मनुष्य चौरासी ला ष जीवा योनि मांहे जि के मे जीव हणाऊ वे हणाव्या ऊ वे हणता
प्रते न ला जाणा ऊ वे तेसरवे मन वचन काया करी मिच्छामि दुक्कडं प्राणाति पात मृषा
वाद अदत्ता दान मैथुन परिग्रह क्रोध मान माया लोभ राग द्वेष कलह अभ्याख्या
न परिवाद अरति रति पैशून्य माया मोस मिथ्यात अठारे पापस्थानके आऊ वे
सेव्या ऊ वे सेवता प्रते न ला जाणा ऊ वे तेसरवे मिच्छामि दुक्कडं ज्ञान दर्शन चारि
त्र पाटी पोथी ठवणी कवली नवकरवाली देव गुरु प्रते अशातना की धी ऊ वे पनरे
कर्मादान नी आलेवना की धी ऊ वे राज कथा देश कथा स्त्री कथा भोजन कथा करी

२

ऊ वे अप्पछुई परिनिंदा करी अनेरो जे कांई पाप की धो कराव्यो अनुमोद्यो मन वचन काये ते
सर्व अतीचार आलोयणा मांहि आलोयवू एहवो मन मांहे चिंते अनेरो वो वेलो आउत्त न
कार चिंतवीये पछे काउस्सग्ग पारी खिमा खंधुआ कही संकाश प्रमार्जन पूर्वक बेसी
मुहपत्ति पडिलेहे पछे बे वांदणा देई इम अवग्रह बाहिर ऊभो थको नमो खमा० इच्छा
कारेण सं० भ० ज्ञा० भे० अणुजाणह मे मिउग्गहं इतरो कही भूमि प्रमार्जी तो थको निस्सही कही।
कुंडक अवग्रह मांहि पेसी संकाश प्रमार्जी ऊकडू बेसी काय मुहपत्ती लेई काये
कानथी जिमणा कानलगे निलाड़ संजी मुहपत्ती आगमे त्रही तेहने मध्य भागे गुरु च
रण कल्पना करी अहो कायं इत्यादि आवर्त्त करी कुंडिक ऊंचो नमी मस्तके अंजली
करी गुरु सामी दृष्टि राखी रयण लिहो जे किं तामो इत्यादि पाठ कहे पछे वले जहन्ने।
इत्यादि आवर्त्त करी ऊभो थई पछे पगे भूमि पुंजतो अवग्रह बाहिर व्यापारे आ॰
"वी आवस्सियाए इत्यादि पाठ सर्व कहे बीजो चार वले इम हीज करे विण अवग्रह"
बाहिर नी कले ति रुंधी ऊभो जे सर्व पाठ कहे अने आवस्सियाए पद न कहे इम स
र्व त्र जाणि वं पछे अवग्रह मांहि रह्या कहे इच्छा का॰ सं॰ भ॰ ज्ञा॰ राई यं आलोवे गुरु कहे

आलोएहयवेइच्छेआलोएमिजोमेराईउ इत्यादियावत्चरमोकाउस्सग्गमांहेचिंतव्याराति
यंबेधी अतीचारगुरुसमक्षेआलोवेपडेसव्वस्सविराईयइत्यादियावत्कहे तिहांइच्छा
का।यं। एवडकहिवेकरीआलोयाअतीचारनौं प्रायश्चित्तमांगेगुरुकहेपडिक्कमहपडे
इच्छेतस्समिछामिडुक्कडंकहीयंकायाउमाजीनेउभेवेसी जीमणोगोडोऊंचोराषीनवो
गोडोनीचेकरीएहवंकहे नगवनमत्रनणंगुरुकहे नणहपडेइच्छेकही ३ नवका
र३करेमिभंते अथवा१ नवकार१ करेमिभंतेनणीइछामिपडिक्कमिउंजोमेराईउइ
त्यादिकही बंदेरूसत्र तेनिदेतेचारिहमिसधीकहेपडेकरोथईअब्भुठिउमिअ २
रहणाएइत्यादियंपूर्णकही बेबांदणादेईअवग्रहमांहिथकोहीजकहे इछाका।यं।
ना। अब्भुठिउमिअभिंतरराईयंखवामेमिगुरुकहेरवामेह पडेइछंखवामेमिराईयंकह १
यंकायाउमाजनपूर्वकगोडानीचेबेसी बेबांहथपडिलेही मुहपतीबांहमथकंमुखबंदे
ईदहिणहथगुरुयांम्होकरी नीचेनमोथकोजेकिंचिनामतित्थंइत्यादियंपूर्णकहे
तिवारेगुरुपिणमिछामिडुक्कडंकहे पडेबेबांदणादेई नूमिप्रमार्जनोपाडेपगेअविग्र
हवाहिरआवी आयरियउवज्झाएइत्यादिगाथा३कहेपडेकरेमिभंते० इछामिकामि ३

काउसग्गं तस्सुत्तरीइत्यादिकहीकाउस्सग्गकरे काउसग्गमांहेश्रीवीरकृतछम्मासीतप।
चिंतवे पडेजेपछरकाएकरवोकरवेतोहीयांथकीकाउसग्गपारीलोगस्सकहीकुकहवे
मीमुहपतीपडिलेहीबेबांदणादेई मकलतीरथनांमलेईनमस्कारकरीकहे इछाकारन
गवनयआउकरीपछरकाएकरावोजी पडेगुरुमुरकाएकरेगुरुआज्ञावेथपनायमहे अ
थवाआधर्मीमुखेपछरकाएकरे पडेइछामोअणुसठिकहीबेसेतिवारपडेगुरु१थुईक
हेपडेमनकेअंजलीकरी नमोरवमायमणणंनमोर्हत्सिद्धाकही यंकारादानवइत्या
दि अथवानमोक्कहईमानाथइत्यादि तीनगाथानणी ३कमनवकहे पडेकरोथई
अरिहंतचेईयणंकरेमिकाउसग्गं बंदणवत्तिआए इत्यादिकहीकाउसग्गमांहे १ नव
कारचिंतवीएकनावकप्रथमकाउसग्गपारीनमोर्हत्सि१कहतिकहे बीजाअर्धकाउ
सग्गमांहेरहाथुणंपडेनमोअरिहंताणंकहीकाउसग्गपारे इमआगेविणजांणवो पडे
लोगस्सकहीसव्वलोएअरिहंतचेईयणंवंदणवत्ति। अन्नत्थ० इत्यादिकही १ नवका
रनोकाउसग्गकरीपारीबीजीथुतिकही थुरकरवरदीवढेकहेपडेकयस्सनगवउ
वंदण। अन्नत्थकही १ नवकारकहीपारी तीजीथुति कहीसिद्धाणंबुद्धाणंकहे पडे

वेयावच्चगराणं अन्नथूकही २ नवकारका० करीपारी नमोर्हत्सिद्धकहीवोसीरक्ति
कहीवेसीनमोत्थुणंकहेपछेतीनेरवमाअमणेपूर्वोक्तरीतें आचार्यउपाध्यायसर्वसाधवं
दे इतिप्रभातपडिकमणविधिः॥ पछेकमन्नमिइत्यादिनमस्कारकहे अनेंथिर
रताकूंवेतोउत्तरदिशेंश्रीमंधरस्वामीआगलेंवेसी कमन्नमीइत्यादिअरिहंतचेईयाणंकरेमिकाउसग्गं वंदणवत्ति। अन्नथूकही २ नवकारवि
तवीपारीश्रीमंधरस्वामीनीथुतिकहे इमहीजवेलाकूंवेतोश्रीसिद्धाचलजीनोचैत्यवं
दनकरे पछेपडिलेहणकरेतेइमरवमाअमणदेई इच्छाका।संं।न्ना। पडिलेहणसंदिसा
उंगुरुकहेसंदिसाएहबीजेरवमाअमणेंइच्छा।संं।न्ना। पडिलेहणकरूंगुरुकहेकरेह
पछेइच्छंकहीमुहपत्तीपडिलेहे इमहीजदोइरवमाअमणेअंगपडिलेहणसंदिसाउं
अंगपडिलेहणकरूंकही बीतीयेकणदोरोपडिलेही रवमाअमणदेई इच्छकारन्न
गवनथाउकरीपडिलेहणपडिलेहबोजी इमकहीथापनाचार्यपडिलेहीरषे अनें
जोगुर्वादिकथापनाचार्यपडिलेहेतोपिणरवमाअमणदेईआग्यामांगे पछेरवमाअमण
देई इच्छका।संं।न्ना।मुहपत्तीपडिलेजंगुरुकहेपडिलेहेह पछेइच्छंकहीमुहपत्तीपडिलेहे

ही दोयरवमाअमणे इच्छका।संं।न्ना। उहीपडिलेहणसंदिसाजंउहीपडिलेहणकरूंकही
कंबलवस्त्रादिपडिलेही पछेयोअहन्नालाप्रमाजी कांजोविधसुंमरवी रवमादेईइरियाव
हीपडिकमेंएमूलविधजाणवो इतरीथिरतांनकूंवेतोपिणदृष्टिपडिलेहणकरवीहिवणं
पिणआवेइमहीजकरतादीसेपछेसामायिकपारे तेइमरवमाअमणदेईमुहपत्तीपडिलेही
वलेरवमाअमणदेई इच्छा।संं।न्ना। सामायिकपारूंगुरुकहे थुणेविकायछो पछेयथा अ
क्तिकही वलेरवमाअमणदेईकहे इच्छका।संं।न्ना। सामायिकपारूंगुरुकहे आयारेन
मोनछो पछेतहत्तिकही अर्हन्नमकूंनोपयकोतीननवकारगुणी नीचोगोमालीयेवेसी
मस्तकनमावी नमथुंदमन्नन्नहो इत्यादिगाथाकहे अथवापहिलांसामायिकपारीप
छेपडिलेहणकरेइहांयथायोग्यन्नमरेगुरुंनेसुहराईकहे तेइमएकरवमाअमणदे
ईकहे इच्छकारन्नगवनसुहदेवसीसुषतपझरीरनिराबाधसंयमयात्रासुषेनिरवहे
"छेजीछेकल्यमाता इत्यादिकही बीजोरवमाअमणदेश्रीजिनपतिसूरीजीनीसमाचरीमें"
इमकह्योछे इतिसामायकपारणविधिः॥ "हिवेयावछेयकरधर्मन्नालाप्रमाजी
वस्त्रादिपडिलेहे जोअवेतोआग्योकूंवेतोदृष्टिपडिलेहणकरे पछेगुरुआगेअथवा

पयनाचार्यआगे आवी नमि प्रमार्जी इडलेो बेसजोगे मुहपत्ती खमासमण देई कहे इच्छा० सं० ना० सामायिक मुहपत्ती पडिलेहुं गुरु कहे पडिलेहेह पछे इच्छं कही बले खमासमण देह मुहपत्ती पडिलेहे पछे खमासमण देई इच्छा का० सं० ना० सामायिक संदिस्सा हुं गुरु० सं दिस्सावेह बले खमासमण देई इच्छा का० सं० ना० सामायिक का हुं गुरु० कारेह। पछे इ० च्छं कही बले खमासमण देई अर्हावनतथई तीन नवकार गुणी कहे इच्छकार भगव न पसाउ करी सामायिक दंडउछरावो गुरु० उछरावेमो पछे करेमि भंते सामाईयं इत्या दि सामायिक सूत्र गुरु वचन अनुज्ञा षण करतो थको तीन वार कुचरी खमासमण देई इच्छा का० सं० ना० इरियावहियं पडिक्कमामि गुरु कहे पडिक्कमह पछे इच्छं कही इच्छामि पडिक्कमिउं इरियावहियाए इत्यादि पछे इरियावही पडिक्कमी १ लोगस्स नो काउस्स ग्ग करी नमो अरिहंताणं कही काउस्सग्ग पारी मुखे प्रगट लोगस्स कही नीचा बेसी मुह पत्ती पडिलेही वंदणा देई कहे इच्छकार भगवन पसाउ करी पच्चक्काण करावो पछे गु रु दिवस चरम पच्चक्काण करावे गुरु मुखे आवे पयनाचार्य मंहे थ मुखे तथा बले रा धर्मी मुखे पच्चरके अने जो तिविहार उपवास कर्यो छे वे तो मुहपत्ती पडिलेही पच्चक्काण क

५

रे वंदणा नथी अने जो चउव्विहार उपवास कर्यो छे वे तो पच्चक्काण करतो छे नही तेमाटे मुंहपत्ति १
पिण नही पडिलेहे एविस्कार विधि छे अने जो मंहे पविधि कर्यो छे वे तो १ खमासमण
देई पच्चक्काण करे पछे खमासमण देई इच्छा० सं० ना० सिज्झाय संदिस्सा उं गुरु कहे सं दि
स्सावेह पछे इच्छं कही बले खमासमण देई इच्छा० सं० ना० सिज्झाय कर्हं गुरु० करेह।
पछे इच्छं कही खमासमण देई कुनो थको मक्ख रखरे ८ नवकार नी सिज्झाय करे पछे।
खमासमण देई इच्छा० सं० ना० बेसणे संदिस्सा उं गुरु० संदिस्सावेह बले खमासमण
देई इच्छा० सं० ना० बेसणे का उं गुरु० कारेह पछे इच्छं कही जो शीत काल आदि कुं वे तो ख
मासमण देई इच्छा का० सं० ना० पोंगरणे संदिस्सा उं गुरु० संदिस्सावेह बले खमासमण
देई इच्छा का० सं० ना० पोंगरणो पडिघा कुं गुरु कहे पडिघा एह पछे इच्छं कही बेसे धर्म ध्यां
न करे इति संध्या समाचार विधिः॥ अथ देवसी पडिक्कमण विधि खमासमण
देई इच्छा० सं० ना० चैत्य वंदन कर्हं गुरु कहे करेह पछे इच्छं कही जय तिहुयण जय म
हायस प्रभु वन मस्कार कही नमोत्थु णं कही अरिहंत चेईयाणं कही इत्यादि स्तवी
करी ने आरे थुई ए देव वांदी आरे खमासमणे आचार्यादिक वांदी पछे इच्छकार सम्यक्त

श्रावको वांउइमकहीगोकालीयेवेश्रामस्तकनमावीयबुस्सविदेवसियइत्यादि तस्स।
मिछामिउक्कडंकहेपिएइछाकारेणसंदिस्सहइछंएपदनकहेपछेऊभाथईकरेमि
संतेश्रामाईयं० इछामिठाउकाउस्सग्गं जोमेदेवसिउ० तस्कउत्तरीश्रन्नथूससीएणंइ
त्यादिकहीकाउस्सग्गकरे काउस्सग्गमांहे श्राजूणाचौउहरा इत्यादिपाठमनमेंचिंतवी
मोश्रारिहंताणंकहीकाउस्सग्गपारी लोगस्सकहीसंडासा प्रमार्जनपूर्वकबेश्रीमुहप
त्तीपडिलेहीबेवांदणादेई पछेश्रवग्रहमांहिऊभोथकोकहे इछाकाश्रंश्राजोदेवसि
यंश्रालोऊंगुरुकहे श्रालोएहपछेइछंश्रालोएमि इत्यादिपाठकहे श्रतीचारश्रालो
वे पछेसबस्सविदेवसियइत्यादि इछाकारेणसंदिस्सहश्रब्भीकहे तिहांरेंगुरुकहे
पडिक्कमहपछेइछंतस्समिछामिदुक्कडंकहीसंडासा प्रमार्जीप्रमार्जितश्रमेंदेवंणे
बेश्राकहे श्रणवस्तश्रन्नथूणंगुरुकहेश्रणहपछेइछंकहीतीननवकारइकरेमि
संतेश्रथवा१नवकार१करेमिसंतेश्रणी इछामिपडिक्कमिउंजोमेदेवसिउ इत्यादि
कहीएकश्रावकवंदेनकहे बीजाश्रवर्णकहेपछेऊभोथईश्रब्भुठिउमिश्राराह
णाएइत्यादिसंपूर्णपाठकहीबेवांदणादेईश्रवग्रहमांहिजऊभोथकोइछाकाश्रं

।नाश्रब्भुठिउमिश्रब्भिंतरदेवसियंखमेउंगुरुकहे खमेहपछेइछंखमेमिदेवसियं
कहीगोकालीयेबेश्रा वामहाथेंमुहपत्तीमुखेधरी दक्षिणहाथगुरुश्रन्नमुखकरी मस्तक
नमावीसर्वपाठकहे पछेविधिसंबेवांदणादेईश्रायरियउवज्झाय इत्यादि गाथा
कहीकरेमिसंतेश्रमाईयंइछामिठाउंकाउस्सग्गं इत्यादिकहीचारित्तशुद्धिनिमित्तेंदो
यलोगस्सनोकाउस्सग्गकरेपारीदर्शनशुद्धिनिमित्तेंप्रगटलोगस्सकहीसबलोएश्ररि
हंतचे। वेदणा।श्रन्नथूकहीरलोगस्सनोकाउस्सग्गकरे पारीसिद्धाणंबुद्धाणंकही बेय
वच्चगराएनकहे पछेक्षयदेवयाएकरेमिकाउस्सग्गं श्रन्नथूकहीएकनवकारनो
काउस्सग्गकरीगुरुसंयोगनहीऊचेतो एकश्रावककाउस्सग्गपारी नमोर्हत्सिद्धाच
हीश्रुतिदेवतानीश्रुतिकहे बीजासर्वपाछेकाउस्सग्गपारेपछेक्षित्तदेवयाएकरेमि
काउस्सग्गं श्रन्नथू० कही एकनवकारचिंतवीपूर्वलीयेरेहेश्रदेवतानीश्रुतिकहेप
छेऊभोथको१नवकारकहीसंडासाप्रमार्जी ऊकडूबेश्रीमुहपत्तीपडिलेही विधि
सुंबेवांदणाहेईइछामोश्रणुसहिकहीबेयेपछेगुरुएकश्रुतिकहेपूर्वेश्रावकमस्त
कंश्रंजलीकरी नमोस्तुवर्धमानायइत्यादि नमोर्हत्सिद्धाकही नमोश्रुतवर्धमानायइत्यादि

तीनथुइकहिके श्रावकाश्रोश्वमाश्रमणेकहीनेश्रारहावर्तवांदीतीनथुइकहेपछेनमो
थुएकहीएकश्रावकश्वमाश्रमणदेईकहे इच्छाकाश्रोन्ना। श्रवनन्नएं बीजाश्रर्वसम १
श्रमणदेईकहे इच्छाकाश्रोन्ना श्रवनश्रोन्नत्तेगुरु। श्रोन्नत्तह नएहपछेदेवसीए बे।
श्री नमोर्हत्सिद्धा० पूर्वकवक्तोतवनकहेपछेतीनश्वमाश्रमणे श्राचार्यउपाध्याय
सर्वसाधुवांदीचौथेश्वमाश्रमणें इच्छाकाश्रोन्ना। देवसीश्रायश्चित्तविशुद्धिनिमित्त
काउस्सग्गकरूंगुरुकहेकरेहपछेइच्छंकहीदेवसीपायश्चित्तकाउस्सग्गकरे श्रन्न
त्थूकहीचारलोगस्सनोकाउस्सग्गकरीपारीलोगस्सकहेपछेश्वमाश्रमणदेईइच्छा
काश्रोन्ना खुद्दोवद्दवउद्दावणंछंकरेमिकाउस्सग्गं श्रन्नत्थू० इत्यादिकहीचारले २
गध्यकाउस्सग्गकरीपारी लोगस्सकहीबेसीश्वमाश्रमणदेईपेन्नणापार्श्वनाथजी।
नोंचैत्यवंदनकरे जयवीयरायपछेश्वमाश्रमणपूर्वकमस्तकनमावीजिरियंन
णइडियपाश्रस्सामिएो इत्यादिदोथुयगाथाकहीकुन्नाथई वंदणव। श्रन्नत्थू०कहीथ्यो
गस्सनोकाउस्सग्गकरीपारीएगटलोगस्सकहे इमहीजजिनदत्तसूरिजीनोकाउस्सग्ग
करीपारी सुरवेलोगस्सकहे पछेश्राजिनकुशलसूरिजीनोस्मरणकरीपूर्वोक्तरीते

७

श्रामायिकपारे इतिदेवसीपडिक्कमणविधिः॥ हिवेश्रवखुडरीपोसहविधिलिखे।
रवीयेछे रात्रिनेपडिलेविघडीयेनिद्राटूरकरीयेपंचपरमेष्ठिस्मरणकरीएहविधा
रिहरी पर्वदिवसथकीप्रथमदिवसेपडिलेहीराख्याजेपोसनाउपगरणतेलेई पोसहस २
लाथेश्रथवनाचार्यसमीपेश्रथवागुरुनोयोगछेतोगुरुनेपासेश्रावी भूमिप्रमार्जीएक
श्वमाश्रमणदेई इरियावहीपडिक्कमेपछेश्वमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोन्ना पोसहमुंह
पत्तीपडिलेहुंगुरुकहेपडिलेहेहपछेइच्छंकहीश्वमाश्रमणदेई मुंहपत्तीपडिलेहे पछे
कुनोथई श्वमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोन्ना पोसहमंदिसाउंगुरुकहेमंदिसावेहपछे
इच्छंकहीश्वमाश्रमणदेई इच्छाकाश्रोन्ना पोसहठाउंगुरुकहेठाएहपछेइच्छंकहीश्व
माश्रमणदेई कुनोथई श्रासोशरीरनमावी मुखेमुंहपत्तीदेईमझरश्वरें तीनश्वका
रगुणीकहे इच्छाकारेनगवन्नपश्राउकरीपोसहदंडकउच्चरावेगुरु० उच्चरावेमोपछे।
करेमिन्नंतेपोसहं। जावनियमंपज्जुवासामि। मणेणंवो। एकवलीश्चारगुरुवचनश्रनुन्नव।
णकरतोकुचरेपछेएकश्वमाश्रमणें इच्छाकाश्रोन्ना श्रामायिकमुंहपत्तीपडिलेहुंगु
रुकहेपडिलेहेह बीजोश्वमाश्रमणदेईमुंहपत्तीपडिलेहीपछेदोथश्वमाश्रमणेश्रामा

यिकमंदिस्साउं सामायिकवाउंकही खमासमणदेई ऊर्द्धवनतगात्रऊनोथकोतीन
नवकारतीनकरेमिजेतेऊचरी दोयखमासमणेवेसणेसंदिस्साउं वेसणेवाउंकही प
डेदोयखमासमणेसिझायसंदिस्साउं सिझायकरूंकही खमासमणदेई ऊनोथकोत्र २
वनवकारनासिझायकरे सोतादिपरीयहेदोयखमासमणे पोगरणंसंदिस्साउं पोगर
णेपडिग्गाउंकहे एसर्वसामायिकविधिएकैकलोवैतिमहींजकरवोविएइतरोविशे
षपडिलेहइरियावहीपडिकमीजे तेमाटेइहांसामायिकदंडकऊचर्योपडे इरियावह १
नहीपडिकमीजे पडेचैत्यवंदनजयवीयरायसुधीकरी ऊभकमिएठस्समिएकाउ
सग्गकरे पडेपडिकमणवेलासीमसिझायधोनकरे पडेपूर्वोक्तरीतेंपडिकमणेो
करेविएइतरोविशेष आरेथुईएदेवसीरोकेहेखमासमणदेईकहे इच्छाकासंदि
सहभगवन्सज्झायंकरूंवेसेसंदिस्साउंगुरु० संदिसावेहपडेइच्छंकहीखमासमणदेईकहे इच्छाका
संदि० सज्झायंकरूंवेसेकरूंगुरुकहेकरेहपडेइच्छंकहीतीनखमासमणेश्रीआचार्यमिश्र१
श्रीउपाध्यायमिश्र२ सर्वसाधुवंदीकर्मक्षयनिमित्तादिनमस्कारगुणेंजोपडिलेहणवेलान
होऊवेलोसीमेंथरखमासिचैत्यवंदनादिकरीसिझायकरे हिवेंपडिलेहणवेलापडिलेे

हणकरेतेविधिएकैविधेोवेतोविएसंक्षेपेंवलेलिखीयेछे दोयखमासमणेइच्छासंदि०भ०
पडिलेहणसंदिसाउंपडिलेहणकरूंकहीमुंहपत्तीपडिलेहे पडेदोयखमासमणेअंगपडि
लेहणसंदिसाउंअंगपडिलेहणकरूंकहे पडेगुरुवचनेइच्छंकही डोलीयेकएदोरोप
डिलेहीपहिरीखमासमणदेईइच्छकारिभगवनपसाउकरी पडिलेहणाकरावोजी इम क
हीयावनाचार्यपडिलेहीयापेअनेजोगुर्वादिकयावनाचार्यपडिलेहेतोविएखमासमण
देईउक्तरीतेआज्ञामांगे पडेखमासमणदेईइच्छाकासंदि०भ०उपधिमुंहपत्तीपडिलेहूं
गुरुकहे पडिलेहेहपडेइच्छंकहीमुंहपत्तीपडिलेही दोयखमासमणेइच्छाकासंदि०भ०
उहीपडिलेहणसंदिसाउंगुरु० संदिसावेह उहीपडिलेहणकरूंगुरुकहेकरेहप
डेइच्छंकहीकंबलवस्त्रादिपडिलेही दोयहस्तालप्रमार्जीकाजोविधिएकपरिवटीएक
खमासमणदेईइरियावहीपडिकमेंइहांआचारदिनकरमेंकह्योछे दोयखमासमणे
इच्छाकासंदि०भ० वसतीसंदिसाउंवसतीपडिलेहूंकहीवसतीमांहेप्रमुखप्रमार्जेइ
त्यादिपिएविधिप्रथाप्रमुखमेंनथीकह्योहिवेएकखमासमणेइच्छाकासंदि०भ०सिझा०
यसंदिसाउंगुरुकहेसंदिसावेह बीजेखमासमणेइच्छाकासंदि०भ०सिझायकरूंगुरु०

करेह पछे इच्छे कही नवकार २ कथन पूर्वक उपदेश माना प्रमुख मिश्राय करी नवकार ए
क कही धर्मध्यान करे जीणे गुणे वांणक्कणे इम करतां पोण पुक्कर दिन चढ्यो उघाडा पो
रिसी अथवा वड्डु पछि पुरिमड्ढ पोरिसी कही खमासमण देई इरियावही पछिकमी देय ख
मासमणे इच्छाकारेणं संदिसाहो पछि तेहिज कहे संदिसाहो पछि तेहिज कहे गुरुवचने इच्छे कही मुंह
पत्ती पछि लेही पांच नोजन मात्र पछि लेही राषे पछे मिश्राय ध्यान करे हिवे काल वेलाये
आवस्सिही पूर्वक देहरे जई पांचे अभिगम वेदवांदे तेइम तीन प्रदक्षिणा ती नवार नम
स्कार करी भूमि प्रमार्जी वुरुषड्डु वेले प्रभुजी सुं दक्षिण पासे वेसे म्हांमें पासे वेसी इ
च्छाकारेणं चैत्य वंदन करूं इच्छे कही पछे नमोत्थुणं कही खमासमण देई इरियाव
ही पछिकमे एक लोगस्स नो काउस्सग्ग करी मुखे २ लोगस्स कही प्रभाजी वेसी तीन
थुय चार थुय पांच आदि देई नमस्कार कही जे किंचि नामतित्थं इत्यादि कही पछे नमो
त्थुणं कही जावंति चेइयाइं अरिहंत चेइयाणं करेमि काउस्सग्गं वंदणवत्तिया अन्नत्थ इत्यादि क
थन पूर्वक चार थुई देववांदी वेसी नमोत्थुणं कही इम ही जावंत चार थुई देववां
दी वेसी नमोत्थुणं कही नमोर्हत्सिद्धाचार्योपा इत्यादि कही पछे स्तवन कहे पछे जयव २

यराय कही नमोत्थुणं सव्वेतिविहेण वंदामि पर्यंत कहे इम पांचे अभिगम वेदे ववंदन वि
धिः प्रवचनसारोद्धार प्रमुख ग्रंथमें इम कह्यो छे तथा चैत्य वंदन करतां अभ्यमें इम कह्यो छे नम
स्कार कथन पूर्वक अरिहंत थुय कही इरियावही प्रतिक्रमणादि करी वली नमस्कार क
थन पूर्वक अरिहंत थुय कही देववार थुई देववांदी अरिहंत थुय कही जावंति चेइया
इं गाथा जणी खमासमण पूर्वक बीजी गाथा कही स्तवन जणी वली नमोत्थुणं कही ज
यवीयराय कहे पछे निस्सिही पूर्वक पोथा हाथ मांहे आवी इरियावही पछिकमे पछे मि
श्राय ध्यान करे जो त्रिविहारउपवास थकी ओछो वेलो पच्चक्कांण वेला पूर्ण हुवां पछे खमास
मण देई इरियावही पछिकमी एक खमासमणे इच्छाकारेणं संदिसाहो पच्चक्कांण पार वामुंहपत्ती प
छिलेई गुरु कहे पछिलेहेह पछे इच्छे कही खमासमण देई मुंहपत्ती पछिलेही एक खमास
मण देई इच्छाकारेणं संदिसाहो पाणहार मुक पच्चक्कांण पार्यगुरु कहे भुंजोविकायव्वो पछे व
यणमुक्ति कही खमासमण देई इच्छाकारेणं संदिसाहो पाणहार पार्यगुरु कहे आयारोनमोनव्वो प
छे तहत्ति कही अमुक पच्चक्कांण चउविहार कयुं इम कही २ नवकार गुणी पच्चक्कांण पा
रियं पारियं तस्समिच्छामि दुक्कडं कही चैत्य वंदन कही हाथ मात्र मिश्राय करी यथायं

नवैअतिथिसंविभागकरीयांणीयवे तथाउपधीनवाहीकुवेतेपोरिसी प्रमुखपच्चस्कांण
पारीआहारकरे पछेआयणवेडोथकोहीजदिवसचरमपच्चरखे पछेइरियावहीपडिकमी
चैत्यवंदनकरे एचैत्यवंदनआहारअंतरएनिमित्तेछे पछेजोबहिर्भूमिजावणेकुवै
तो आवस्सिहीकही उपयोगीथकोनिजीवथंडिलेजई अणजाणहजस्सग्गहोकही
पूर्वउत्तरदिशयग्रमादिकनेपूंजिआणदेई मलमूत्रपरिठवी आभुकजलेशुद्धथईवारतो।
नवोसिरामि एहवेंकहिवैकरिमलमूत्रवोसरावी पोसहशालायेंनिस्सिहीपूर्वकपैसी
इरियावहीपडिकमीरवमाश्रमणदेईकहे इच्छकाश्रं०ज्ञा०गमणागमणंआलोयहंगुरुक
हे आलोएहपछेइच्छंकही गमणागमणआलोवे तेइमआवस्सिहीकही आभुकदेशेज
ईअंगडाशाकूंजी थंडिलोपडिलेही उच्चारप्रश्रवणवोसिरावीनिस्सहीकरीपोसहशाल १
यें आवेतिजंतिहिं जेरवंडियंजंविराहियं तस्समिछामिदुक्कडं इमकहीवेसेष
छेपडिलेहणवेलायें आमथिसज्झायध्यांनकरेहिवैपछेलेगुरइरियावहियपडिकमीरव
माश्रमणदेईकहेइच्छकाश्रं०ज्ञा०पडिलेहणकरूंगुरुकहे करेहपछेइच्छंकहीमुंहपत्तीव
माश्रमणेइच्छकाश्रं०ज्ञा०पोसहशालाप्रमार्जूंगुरुकहे प्रमार्जहि।पछेइच्छंकहीमुंहपत्तीव

डिलेही दोयरवमाश्रमणेंअंगपडिलेहणसंदिसाउंअंगपडिलेहणकरूंकहे पछेगुरुव
चनेइच्छंकहीमुंहपत्तीपडिलेही देंहाश्रणोपूंजणीप्रमुखनोंप्रमार्जीपोसहशालाप्रमार्जै पछे
कांजोशुद्धकरीऊधरीएकांतेवीसरतोपरवबीइरियावहीपडिकमीरवमाश्रमणपूर्वककहे
इच्छकारभगवनपसाउकरीपडिलेहणापडिलेहावोजी पछेवापनाचार्यपडिलेहीथापीयु
रुश्रमीयें अथवापनाचार्यश्रमीयें एकरवमाश्रमणदेईइच्छाकाश्रं०ज्ञामुंहपत्तीपडिले
हूंगुरुकरैपडिलेहेहु पछेइच्छंकहीरवमाश्रमणदेईमुंहपत्तीपडिलेहै पछेदोयरवमाश्रम
णेइच्छाकाश्रं०ज्ञासिझायसंदिसाउंसिझायकरूंकही उकरीतेंश्रणमात्रसिझायकर १
त्रिविहारउपवासकीधोकुवैतोगुरुश्रारवेंपछिहारपच्चरके उपधीनवाहीप्रमुखआहार
कीधोकुवैतो वांदणादोयदेईपच्चरकांणकरैपछेएकरवमाश्रमणदेईइच्छाकाश्रं०ज्ञाउ
पधियंडिलापडिलेहणसंदिसाउंबीजेरवमाश्रमणेइच्छाकाश्रं०ज्ञाउपधियंडिलापडिलेहूं
"गुरुवचनेइच्छंकही दोयरवमाश्रमणेइच्छाकाश्रं०ज्ञावेयणेसंदिसाउंवेयणेठाउंकही"
बेबीवस्त्रकंबलादिपडिलेहे चलवलीकुवैतोतेविणमुंहपत्तीमुंपडिलेहे उपवासीतो
छेतेमाटेसर्वपाछोकडिकपडोछेतीयोकणदोसैपडिलेहे उपधीनवाहीप्रमुखनोजनक १

धौऊ वैतो कहि पडादि पडिलेलूंपडे वस्त्रकंबलादि पडिलेहेए विशेषडे कालवेलाआम
मिश्रायधांनकरे पडेउच्चारप्रस्रवण २४ पंहिलापडिलेही जोचउदसऊ वैतो पारवीच
उमाश्रीपडिकमणेकरे संवत्सरीयेंसंवत्सरीपडिकमणेकरे तिहांदेवश्रीपडिकमणेपू
वैंतिम्योडेतिमहीजकरे पिएइतरेविशेषडे देवश्रीआलोयंपडे कालेकमणेचंकमणे
इत्यादियावकहे तथाखुहेवहवकाउसग्गाकीयंपडे दोयखमाश्रमणे इछाकाश्रोनाश्रि
श्रायसंदिस्साउं श्रिश्रायकरूंकही बेडोथकोतीननवकारप्रमुखश्रिश्रायकरे इतिप
डिकादिविधिश्रागेलिखयांहिवे पडिकमणेरूवंपडेआखनीवेयावच्चकरी पोरिश्री
श्रमश्रिश्रायकरे जोलघुनीतिप्रमुखकरवीऊवैतो आवश्यकहतोथकोअसिप्रमा
जैतोपंहिलाथांनकेंजई देहसंकानिवारी प्रस्रवणवोसरावीस्वथ्यानकेंआवी जग
वनऊपडिलुनापोरिश्रीइमकहीखमाश्रमणदेई इरियावहीपडिकमी वलेखमाश्रम
णदे इछाकाश्रोनाराईसंथाराश्रुहपत्तीपडिलेऊंगुरुकहेपडिलेहेहु पडे इछंकही
खमाश्रमणदेईमुंहपत्तीपडिलेही एकखमाश्रमणेंइछाकाश्रोनाराईसंथारोसंदिस्सा
उं बीजेखमाश्रमणेइछकाश्रोनाराईसंथारेठाश्रूं पडेगुरुवचनेइछंकही चउक्का

श्रायपडिमहुत्थुस्सारणइत्यादिनमस्कारकथनपूर्वक जघन्यवीरायश्रधीचैत्यवंदना
करीऊभिप्रमाजीसंथारोउत्तरपट्टोपाथरे पडेशरीरप्रमाजीनिसिहीइमकहीसंथा
रेबेसीतीननमकारतीनकरेमिजेतेऊचरी श्रणजोणहवरमणुकइत्यादिगाथाजणी वा
महाथिरणेंदेईसोवैनिद्रानावेजोसीमसुनिवरचरित्रचिंतवे पसवाडोफेरेतोशरी
रसंथारोप्रमाजीफेरवे जोदेहसंकायेऊवेतोपूर्वोक्तविधेंदेहसंकानिवारी इरिया
वहीपडिकमी पडेजघन्येंपिएतीनगाथानोश्रिश्रायकरीसोवैहिवेरात्रिनेंपडिलेहु
णरूऊजी नवकारादिगुणी इरियावहीपडिकमी खमाश्रमणदेई ऊकडुमिएडस्कमिएक २
उसग्गाकरीचैत्यवंदनकरीपूर्वोक्तविधेंसामायकलेवे इहांइरियावहीनपडिकमें पडे
दोयखमाश्रमणेश्रिश्रायसंदिस्सावी आवनवकारगुणी पडिकमणवेलाश्रीमश्रिश्रा
यकरे पडिकमणवेलाऊवंपडिकमणेपूर्वलीपरेंकरे पिएइतरोविशेषडेरईआलो
यंपडेसंथाराबहुएकोइत्यादियावकहे इमसंथरणपडिकमणेकरी पडिलेहणवेलां
येपूर्वोक्तविधेपडिलेहणकरीधर्मशालासंजीकाजोऊधरी इरियावहीपडिकमीदोय
खमाश्रमणेश्रिश्रायसंदिस्सावी उयदेशमालाप्रमुखश्रिश्रायकरे पडेपोसहपारेतेइम

खमासमणदेई मुंहपत्तीपडिलेहुं वंदेखमासमणदेईकहे इच्छाकारेसंदिसाहोपडिक्कमणुं
ठकहेगुरुविकायद्वं पडेयथाशक्तिकहीखमासमणदेईकहे इच्छाकारेसंदिसाहो
पाखीगुरुकहे आयरियनमोक्षेत्तोपडे तहत्तिकहीखमासमणदेई तीनवकार अ
वनतकायऊंचोथकोगुणी खमासमणदेई मुंहपत्तीपडिलेहीखमासमणदेईकहे इ
च्छाकारेसंदिसाहोसामायिकपाखीगुरुकहे विकायद्वं पडेयथाशक्तिकहीखमास
णदेई इच्छाकारेसंदिसाहोसामायिकपाखीगुरुकहे आयरियनमोक्षेत्तोपडेतहत्तिकही
खमासमणदेई अर्हवनतगात्रऊंचोथकोहाथजोडीमुंहपत्तीमुखेदीयोथकोतीन
नवकारगुणीसंडासाप्रमार्जीपडिलेहीगोडाहेठीयेबेसीमस्तकनमावी नमोत्थुणंदंडक
त्यादिनाववानाकहेपडेयोसहनाउपगरणसंवरीदेहरेजईदेवजुहारीघरे
आवी आहारनिष्पन्नहुवोदेखीसाधुसाध्वीनेअतिथिसंविभागव्रतनाचवो
णनिमित्तेसाधुनणीनिमंत्रणाकरी घरेतेडीजायसाधुपिणशुद्धआहारलेईसंघ
नकेआवेतिवारपडेसाधुनेजेआहारदीधोहुवेतेहुनोहीजनेवस्याहारआपकरे इ
तिअवधुहरीयोसहपहणपारणविधिः॥ हिवेदिनकृत्यपडेयोसहलेवेतेहनो

DR. BHAU DAJI MEMORIAL डाक्टर भाऊदाजीहरयाद्यस्मारकम्

विधिलिखीयेछे घरथकीनिश्चिंतथईधर्मध्यानकेआवीसर्वउपगरणपडिलेहीकाजो
विधिसुंपरिवली इरियावहीपडिकमीखमासमणपूर्वकआज्ञामांगीयोसहमुंहपत्तीप
डिलेहे आगेपोसहग्रहणनोविधिपूर्वेलिख्योछेतिमहीजजोएवोविएदिवसयोसह
हीजकरेएकवेतोपोसहदंडकउच्चरतां जावदिवसंपज्जुवासामिएहवोपाठकहे
अनेजोआखुहरीलेवोएकवेतोजावअहोरत्तिपज्जुवासामिएहवोकहे पडेसामायि
कविधिसर्वकरीचैत्यवंदणकुसुमिएदुस्समिएकाउसग्गकरीपडिक्कमणोकरीदेय
खमासमणे वऊंवेलेसंदिसावे १ अनेजोपूर्वेपडिक्कमणोगुरुसाथेकर्योएकवेतोप
डिक्कमणानेअंतेपडिलेहीराख्योतेवस्त्रतेपहेरी पोसहसामायिकसर्वविधिकरी ।
देयखमासमणे वऊंवेलेसंदिसावे इतथाजोगुरुयोजुदोपडिक्कमणोएकवेतो
गुरुपायेआवीपोसहसामायिकसर्वविधिकरी आलोयणखमासमणादिनमिनेमुंहप
त्तीपडिलेहीवेदांदणादेई इच्छाकारेराईयंआलोएंगुरुकहेआलोएहपडेराईआ
लोचे पडेखमासमणदेई इच्छाकारेसंदिसाहोअब्भुट्ठिउमिअब्भिंतरराईयंखामेमिगुरुक
हेखामेहपडेराईखामेपडिलेपडिक्कमणामेनवकारसीपचरखोलेतेमाहेंपडेगुरुसा

रवेपक्षरकंणउपवासनोंकरैपछेदोयरवमाथमणेबकुवेलेसंदिस्सावेइ एतीनविकल्प
जांणवाहिवेंपडिलेहणसोपूर्वेकरीछेतोपिणआदेशमांगवानेइमरवमाथमणदेई इच्छा
काःसंःजा पडिलेहणसंदिस्साउं बीजेरवमाथमणेपडिलेहणकर्मकहीमुंहपत्तीपडिलेहे
पछेइमहीजदोयरवमाथमणेअंगपडिलेहणसंदिस्साबीमुंहपतीपडिलेहे पछेबलेरवमा
थमणदेई इच्छकारअगवनपथाउकरीपडिलेहणा पडिलेहावोजी इमकहेपछेएकरव
माथमणदेई इच्छाकाःसंःजाउपधिमुंहपत्ती पडिलेहुंकहीमुंहपतीपडिलेहीदोयरव
माथमणे इच्छाकाःसंःजा उपधिसंदिस्साउं उपधिपडिलेहुंकहीकोईवस्त्रआणपडिले
सोरावोकुवेतोपडिलेहे नहींतोवलीपूंछणेपडिलेहे पछेदोयरवमाथमणेअभिग्रहा
संदिस्साबी उपदेशमाताप्रमुरवअभिग्रहकरे आगेपूर्वक्रियापूर्वेलिखीछेतिमहीजजां
णवी पिणइहांआवपुहरीपोयहीतोपाछिलीरातेवलीआमाथिकनलेवेजिलेंदिवसमं
बेधीबोपुहरीपोयहलीलेकुवे तेपाछलेपुहरपक्षरकंणकीयं पछेदोयरवमाथमणे उ
हीपडिलेहणसंदिस्सावे उहीपडिलेहणकर्मकहेपिणएकलायदनकहे अनेंपडिला
नहीपडिलेहे इतिविशेषः॥ हिवेरात्रिसंबंधीबोपुहरीपोयानोविधिलिखीयेछेतिसं

जिलेंअथमबोपुहरीदिवसथोसोकुवरयोछेपछेसंध्यानीपडिलेहणकरतांरात्रिपोयहनें २
आवश्यछेतेपक्षरकंणकीयंपछेदोयरवमाथमणेपोयहमुंहपत्तीपडिलेही तीननवका
रतीनवारपोयहदेइककुचरैतिहांजावरसिंपकुवाआमि इमपावकुचरेपछेआमाथिक
विधिपूर्वेलिखीछेतिमकरै पिणआमाथिककुवरयांपबीदोयरवमाथमणेअभिग्रहसं
दिस्साबीआवनवकारकहीवेआगेसंदिस्साबीपांगरणेसंदिसावे पछेदोयरवमाथमणे
इच्छाकाःसंःजा उहीपंडिलापडिलेहणसंदिस्साउं उहीपंडिलापडिलेहणकर्मं पछेगुरु
वचनेइच्छंकहीउपधिपंडिलापडिलेहे आगेपूर्वक्रियापूर्वेलिखीतिमजाणवी तथा
जेआवकउपवासतोआगपछेंदिवसेंपोयहनकरीआवेतोरात्रिपोयहनोआवश्य
संदिवसनेपाछिलेपुहरधर्मध्यानकेंआवे जोवसतीप्रमाजीकुवेतोनतोनहींतोव
सतीप्रमाजीकाजोपरिठवीपूर्वउपगरणपडिलेही इरियावहीपडिकमी चैत्यवंदनपक्षरक १
णकरी दोयरवमाथमणे पोयहमुंहपत्तीपडिलेहीदोयरवमाथमणदेई पोयहसंदिस्सा
बी तीजोरवमाथमणदेई तीननवकारतीनवारपोयहदेइककुचरैतिहांदिवसथेंपर
त्तिं पछूवाआमिकहे संध्याकुवेतोरत्तिं पछूवाआमिकहे पछेविधिंरवमाथमणआमथि

कमुहपत्तीपडिलेहो दोयखमासमणदेईसामाचिकसंदिस्सावो तीजोखमासमणदेई तो
नमवकारकरेमिभंतेऊचरो बेखमासमणदेई विइयायसंदिस्सावो आवनवकारकर १
बेखमासमणदेई बैयलेयंदिसामो सीतादिकैं बेखमासमणदेई पांगरणंसंदिसावे
पछेबेखमासमणदेई पडिलेहणसंदिसावो मुहपत्तीपडिलेहो बेखमासमणदेई आंग
पडिलेहणसंदिसावोमुहपत्तीपडिलेहो बेखमासमणदेई उहीयंदिसापडिलेहणसंदि
सावो जेआणपडिलेसे उपगरणकुंबैसेपडिलेहे जेआवैउपगरणपडिलेसेकुंबैसो
पिएथानकशून्यतादालवानणीबलेकुंडणेपडिलेहे पडिकमणेवेलासीमायिकाय
करै पछेउच्चारप्रस्रवणना २४ थंडलापडिलेहीपडिकमणेकरै तथापडिलीएलेव
लीसामायिकनलेवै इतलापोसहलेवानाविकल्पजोणवा॥ ॥हिवैपाक्षिकादि
पडिकमणविधिलिखीयेछै तिहांप्रथमवंदेसूत्रपर्यंतदेवसिकपडिकमी१खमा
समणदेई देवसीयंआलोइयंपडिक्कंतं इच्छाकारेणसंदि०भ०पक्खियमुहपत्तीपडिलेकुंबो
मासेचोमासीयंमुहपत्ती। संवत्सरीयेंसंवत्सरीमुहपत्तीपडिलेः कहे पछेगुरुकहे
पडिलेहेहपछेइच्छेकही इजोखमासमणदेईमुहपत्ती पडिलेहीवांदणाद्येतिहांपरके २ १४

वइक्कंतो चौमासीवइक्कंतोसंवत्सरोवइक्कंतोइमयथाजोगेकहे पछेगुरुकहे खुल्लएतो
देवसीनेंआलिकपाक्षिकचउमासिकसंवत्सरिकनाणजो डोकजयणाकरजोम
हरखरेपडिकमजो पछेमगलाहीकहे तहत्तिपछेऊभी इच्छाकारेणसं०भ०अब्भुट्ठिउमि
आभिंतरपक्खियं३खमेकुंगुरुकहेखमेह पछेमस्तकेंअं
जलीकरतोथकोइच्छंखमेमिपक्खियंकहीजेकालीमेंबेसीमस्तकनमावी दहिण
हाथगुरुमाहमुंकरी मुहपत्तीमुखेंदेई पनरसहंदिवसाणं पनरसहंराईणंजेकिं
चिमिच्छंतिथं इत्यादिकहेसर्वपाठ चउमासेचउहंमासाणं अहएहंपक्खाणं वीसो
त्तरसोराइंदियाणं जेकिंचिमिच्छंतिथं इत्यादिकहे संवत्सरीयेंचउवालसहंमासा
णं चौवीसहंपक्खाणं तिन्निसयसट्ठिराइंदियाणं जेकिंचि० इत्यादिकहे तिहांरेगु
रुपिणमिच्छामिदुक्कडंकहे तिहांदोयमाथुऊचराकुंबैतोपाखियें ३ चौमासीयें ५
संवत्सरीयें७ माथुनेखमावे पछेगुरुदा आवगृहमांहिरहोकहे इच्छाकारेणसं०भ०
पक्खियंआलोउंगुरुकहे आलोएह पछेइच्छेआलोएमि जोमेपक्खिउ ३ अईयरोक
उ इत्यादिसूत्रभणीयंहेयंअणविसारे पाखीचौमासीसंवत्सरी अतीचारआलोवे

पछे गच्छस्स विपरिकिय ३ इत्यादि इच्छाकारेण संदिस्सह पर्यंत कहे तिवारे गुरु कहे।
चउछेण्हं पडिक्कमह चौमासे छठेण पडिक्कमह संवत्सरीये अठमेण पडिक्कमह इछं
तस्समिच्छामि दुक्कडं कही द्वादशावर्त्त वांदणा देवे पछे इच्छाकारे० सं० ज० देवसीयं आ
लोइयं पडिक्कंता पगामसेज्जा राइयमणेणं अब्भुट्ठिउमि अब्भिंतर पक्खियं ३ खामेऊं गुरु क
हे पछे इच्छे खामेमि पक्खियं ३ इत्यादि पाठ सर्व देवसी तिम कही मिच्छामि दुक्कडं
देई खमावे पछे वे वांदणा देई भगवन देवसियं आलोइयं पडिक्कंता पक्खियं पडि
क्कमावेह गुरु कहे सम्म पडिक्कमह पछे इच्छे कही करेमि भंते सामाईयं इच्छामि का
उस्सग्गं जो मे पक्खिओ ३ इत्यादि कही तस्सुत्तरी अन्नत्थ० कही काउस्सग्ग करे।
गुरु पारवी एक कहे तेवारे प्रथमे गुरु थकी जुदा पडिक्कमता कुवेलो एक श्रावक
खमासमण देई कहे भगवन एक पछे गुरु० भणह इम गुरु वचन मनमें धा
री इछे कही कुवेलो थको हाथ जोडी मुहपत्ती मुखे देई तीन नवकार कही मधुरस्वरे अ
र्थ मनमें चिंतवतो वेदि चूलत्रयणे बीजा श्रावक करेमि भंते इच्छामि ठामि काउस्स
ग्गं तस्स० तरी अन्नत्थ० कही काउस्सग्ग मेरला सुधे एक प्रांते नमो अरिहंताणं कही का

उस्सग्ग पारी एक थोय का तीन नवकार गुणी बेसे पछे तीन नवकार तीन करेमि भंते कही
इच्छामि पडिक्कमिउं जो मे पक्खिओ ३ इत्यादि कही वेदि चूलत्रयणे पडिक्कमे देवसियं
सव्वं एहनें विकाले पडिक्कमे पक्खियं चौमासीयं संवत्सरियं सव्वं कहे पछे कुवेलो अब्भु
ट्ठिउमि आराहणाए इत्यादि परिपूर्ण भणी खमासमण देई इच्छाकारे० सं० ज० मूलगुण उ
त्तरगुण अतीचार विशुद्धि निमित्ते काउस्सग्ग करूं गुरु कहे करेह पछे इछं कही करे
मि भंते तेवा० इच्छामि ठामि काउस्सग्गं तस्स० अन्न० इत्यादि कही पारवी ये १२ लोगस्स
चौमासे २० लोगस्स नो काउस्सग्ग करे संवत्सरीये ४० लोगस्स एक नवकार कुपरका
उस्सग्ग करी पारी लोगस्स कही बेसी मुहपत्ती पडिलेही बे वांदणा देई इच्छाकारे० सं० ज
० अब्भुट्ठिओमि अब्भिंतर पक्खियं ३ खामेऊं गुरु कहे खामेह पछे इ
छं खामेमि पक्खियं इत्यादि पाठ सर्व देवसी तिम कहे पछे कहे इच्छाकारे० सं० ज० पारवी ३
रवा मणा रवा मं गुरु कहे तुम्हे वे तो चार खमासमण देई तीन नवकार कही पारवी ३ सम
ग्गि रवा मणा रवा मह पछे श्रावक एक रवा समण देई मस्तक नीचो नमावी तीन न
वकार गुणे इम च्यार वार कहे पछे गुरु कहे निस्सार गपार गाहोह। पछे सर्व श्रावक

कहै इछे इछामो अणुसट्ठिं कही पछै गुरु कहे तुब्भेहिं संतो पारवीनें लेवै एक उपवास ।
अथवा देय आंबिल अथवा तीन नीवी अथवा एकासणा अथवा बेहु जार खिमाय
करी एक उपवास नीपजे इण रीतें पारवीनें व्याख्यान कें देवसिक आलिजो इम चौमासे एम
वछरिमलो कहणे संवत्सरीयें त्रिगुणो कहिणो पछै जिणें तप की धो कुवेले पडिक्कमे ।
कहे नकी धो कुवेले कहे तहत्ति पछै बेबांदणा देई अब्भुट्ठिमि आब्भिंतर देवसि
यंखामेमि पछै बेबांदणा देई आयरियउवज्झाए तीन गाथा कहे इम आगे सर्वविधि
देवसिक पडिक्कमणा नो करें पिण इतरो विशेष श्रुतदेवता नो काउसग्ग करी स्तुति
कही भवण देवया एकरेमि काउसग्ग इत्यादि विधे भवनदेवता नो काउसग्ग करी
स्तुति कही क्षेत्रदेवता नो काउसग्ग करे किणे इक इम कहीजे श्रुतदेवता नो
काउसग्ग नें विषे णें भवनदेवता नो काउसग्ग करे अनें श्रुतदेवता नो काउसग्ग
न करे संवत्सरी यें भवनदेवता नो काउसग्ग को ई क ग्रन्थ मांकर जो कहीजे किण
ही क ग्रन्थ मांनिषेध्यो छै इति। तथा तीनेपर्व विषे तो भवन अजित शांति स्तवन कहिणो
तिहां भवन उपयोग हुवो तो कहिणो तथा पडिक्कमणे पहिलो पछै एक श्रावक नु

वीर्य नमोर्हत्सिद्धा कही शांति नो जो १७ गाथा प्रमाण कहे वीजा सर्व कर्म जिणें नें
राजीयो सो नकुवै तेथो महा मासिक पारी यां न लै इति पाक्षिकादि पडिक्कमण विधिः ॥
॥ हिवै रात्रि प्रतिक्रमण मांहे छम्मासी तप चिंतवीयें तेहनी विधि लिखीयें छे श्रीमहा
वीर स्वामी ना तीर्थ मेंउत्कृष्टो छम्मासी तप छै रे जीव ते करी म कें न करी मकुं एक दिन
ऊणो करी म कें न करी मकुं इम बे दिन ऊणो तीन दिन ऊणो करी म कें न करी मकुं इ
म ए के क दिन ऊणो करतां उगुणतीस दिन ऊणा छम्मासी कुवै तिणें मध्ये पछै
पंचमासी करी म कें न करी मकुं एक दिन ऊणी पंचमासी करी म कें न करी म कें इम ए
के क दिन ऊणो करतां उगुणतीस दिन ऊणी पंच पंचमासी लगें पूछीयें पछै चउमा
सी एक दिन ऊणी दोय दिन ऊणी इम हीज त्रिमासी दुमासी यावत् एकमास करी म
कें न करी मकुं पछै एक दिन कुं णो कायंबो बे दिन नो चोत्रीसमत तप पडुइ ते करी म कें
न करी मकुं पछै बेबे मान घटावतां पूछीयें तेइम छत्रीसम करी म कें न करी मकुं इम
त्रीसम अठावीसम छावीसम चोवीसम बावीसम वीसम अढारसम सोलसम चौ
दसम बारसम दशमअठम छठचउत्थ तप करी म कें न करी मकुं इम आंबिल नि

वीएकामलेवुरिमहपोरसीनवकारसीतोईजेपच्चक्कंणकरवोक्कवेतोमनमेंधारीक २
उसग्गधारेइतिछम्मासीतपचिंतनविधिः॥ ॥दूहाश्रीजिनचंदसुरिंदनिवुध
जतगछराजान वाचक अमृतधर्मगणि सीसहमाकल्यांन १ सयअठारअठतीसम
फिजेठसुतेरुखुसंन श्रावकविधिसंग्रहकीयो मूलग्रंथअनुमोन २ कमलादिम
सुंदर सुमनकीधमलायप्रसंन जोकुनिहोयअकछइहलोकोधिपोसुजांन ३ श्री
जिनप्रभसूरिकृतविधिप्रपा १ खरतरमेरुलाचार्यतरुणप्रभसूरि कृतषडावश्य
कबालावबोधं २ सामाचारीशतकं वंदारुवृत्तिं ४ प्रवचनसारोद्धारवृत्तिं ५ आचा
रदिनकरं ६ श्रीजिनपतिसूरिसमाचारीपत्रं ७ श्रीवर्द्धमानोपाध्यायकृतसुबो
धिविधिप्रकरादि ८ ग्रंथेभ्यविलोक्यअयंविधिप्रकाशोनिर्मितः॥ इतिश्रावकविधि
प्रकाशः परिपूर्णतामगात्॥ प्रभातसामायिकविधिः राईपडिकमणाविधिः सामा
इकपारणविधिः पोषासामाइकविधिः देवसीपडिकमणाविधिः अड्ढुहरीपोसह
विधिः पांचेशुक्रमनवेदेववंदनविधिः पच्चक्काणपारणविधिः राईसंथाराविधिः पोसह
पारणविधिः दिनकृत्यपोसहत्येतेहनाविधिः रात्रिसंवेधीवैदुहरीपोसहविधिः प
खीपडिकमणाविधिः छम्मासीतपचिंतनविधिः। पोषणोनश्रीनागपुरीयतपागछेसवे॥ नागउरमझेलिखीवरके॥ ९७

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017